यूपी ने अपने दम पर हासिल किया एक लाख करोड़ रुपये का जीएसटी संग्रह

अमर उजाला ब्यूरो

केंद्र से मिलने वाली क्षतिपूर्ति हो गई बंद, पिछली बार के मुकाबले अच्छी ग्रोथ

लखनऊ। प्रदेश में जीएसटी और वैट का कलेक्शन पहली बार एक लाख करोड़ रुपये पार कर गया। इस उपलब्धि के साथ खास बात ये है कि ये जीएसटी व वैट संग्रह प्रदेश ने अपने दम पर किया है। क्योंकि पिछले साल से राज्यों को केंद्र से मिलने वाली क्षतिपूर्ति भी बंद हो गई थी। आबकारी, स्टांप, परिवहन और खनन ने भी पिछले साल के मुकाबले अच्छी ग्रोथ प्राप्त की है।

शुक्रवार को वित्तमंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि सरकार के मुख्य राजस्व वाले मदों में 18,660 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है। इसमें सर्वाधिक हिस्सेदारी जीएसटी की है, जिसने लगभग 75 हजार करोड़ कलेक्शन दिया। वहीं, वैट से सरकार को 31 हजार करोड़ रुपये मिला। वर्ष 2022-23 में जीएसटी-वैट कलेक्शन 96 हजार करोड़ पर आकर टिक गया था। जबकि लक्ष्य एक लाख करोड़ रुपये दिया गया था। वर्ष 2023-24 के लिए राज्य कर विभाग का लक्ष्य 70 फीसदी बढ़ाकर 1.5 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया। इस पर राज्य से मिलने वाली क्षतिपूर्ति भी बंद हो गई।

राज्य कर विभाग को एक साथ दो चुनौतियों से जूझना था। 50 हजार करोड़ रुपये की वृद्धि केंद्र से मिलने वाली क्षतिपूर्ति के बिना हासिल करना था लेकिन प्रदेश में 16 फीसदी की कारोबारी ग्रोथ ने टैक्स कलेक्शन में जोरदार वृद्धि दर्ज की। इसी के दम पर जीएसटी संग्रह पहली बार एक लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया।

70 फीसदी बढ़ा लक्ष्य, देश में सबसे ज्यादा

राज्य कर विभाग को पिछले साल लक्ष्य 70 फीसदी बढ़ाकर दिया गया था। ये बढ़ोतरी देश में सबसे ज्यादा थी। दरअसल लक्ष्य तीन बिंदुओं के आधार पर तय होता है। टैक्स बेस, टैक्स ग्रोथ और उपभोग। अर्थव्यवस्था छह फीसदी है और उपभोग ज्यादा है तो टारगेट अधिकाधिक तीन गुना तक बढ़ाया जाता है, जो 18 से 20 फीसदी तक होता है। कोई भी राज्य ऐसा नहीं है, जहां सालाना ग्रोथ रेट 70 फीसदी हो। यही वजह थी कि राज्य कर विभाग के सामने यह बड़ी चुनौती थी।

- **पांच साल तक मिली क्षतिपूर्ति, फिर बंद :** जीएसटी लागू होने के बाद पांच साल तक देश के हर राज्य को केंद्र से क्षतिपूर्ति दी जा रही थी। यूपी को मिलने वाली ये राशि 15 हजार करोड़ से 18 हजार करोड़ रुपये थी। ये क्षतिपूर्ति 2022-23 तक मिली और 2023-24 से बंद हो गई। इसलिए राज्य कर के लिए लक्ष्य के नजदीक पहुंचना और चुनौतीपूर्ण हो गया था।

वर्ष 2022-23 में कुल राजस्व मिला : 1,74,668 करोड़ रुपये
वर्ष 2023-24 में कुल राजस्व मिला : 1,93,329 करोड़ रुपये

विभाग	राजस्व (2022-23)	राजस्व (2023-24)	लक्ष्य प्राप्ति (2023-24)
वैट-जीएसटी	96,115	1,06,271	70.8 फीसदी
आबकारी	41,252	45,570	78.6 फीसदी
स्टांप व निबंधन	24,851	29,960	78 फीसदी
परिवहन	9,081	10,539	83.2 फीसदी
खनन	3,367	3,987	79.7 फीसदी

(नोटः राशि करोड़ में)